सामर्थ्य सेवा संस्थान

(शिक्षा, रोजगार, समानता, सशक्तिकरण)

वार्षिक प्रतिवेदन

2016–17

(01 अप्रेल 2016 से 31 मार्च 2017 तक)

G-1, आनन्द विहार कॉलोनी, सिविल लाईन्स, कोठी रोड़,
झालावाड़ (राज0)–326001

+91-7742338933, +91-7014899543

E-Mail : samarthya.jwr@gmail.com, Website : www.samarthyasansthan.org

वार्षिक प्रतिवेदन 2016–17

प्रस्तावना :–

दिव्यांगता कोई अभिशाप नहीं, यह किसी भी जाति, धर्म, समुदाय के परिवार में हो सकती है, यह न ही कोई बीमारी है, जो एक दूसरे के साथ रहने से बढ़ती है, यह एक स्थिति है। साथ रहने से बढ़ता है तो आपसी प्यार, भाईचारा और निवारण होता है, एक दूसरे की समस्याओं का। अतः आज के समय में इन दिव्यांग बालकों को साधन सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध करवाकर उनके सर्वांगीण विकास में योगदान करने की आवश्यकता है जिससे वह आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। यह दायित्व सरकार के साथ ही समाज के प्रत्येक व्यक्ति का बनता है। इन दिव्यांग बालकों की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य कार्य भी नहीं है। कहा गया है कि जिसमें राग, द्वेष, छल, कपट कुछ नहीं है वह साक्षात् भगवान होता है और इन दिव्यांग बालाकों में भी यह सब नहीं है तो हमें इन साक्षात् भगवान की प्रतिभूति की सेवा का मौका मिला है जो भाग्यशाली को ही मिलता है। ऐसे ही जन कल्याणकारी कार्यो की कड़ी में ''सामर्थ्य सेवा संस्थान, झालावाड़'' दिव्यांगजन कल्याण हेतु अग्रसर है।

सर्वे :–

संस्था द्वारा अपने स्तर पर झालावाड़ जिले के आस–पास के विभिन्न ग्राम पंचायतों में एक दिवसयी दिव्यांग चेतना शिविर का आयोजन कर 43 दिव्यांग बालकों को चिन्हित किया गया। संस्था द्वारा एक फिल्ड टीचर भी रखा हुआ है जो गांवों में जाकर दिव्यांगों का सर्वे कार्य तथा उचित सलाह व परामर्श देता है इसी के साथ घर–घर जाकर सीधा सम्पर्क संस्थान द्वारा लगाये गये कर्मचारियों व केयरगिवर्स के माध्यम से जनसम्पर्क कर सर्वे का कार्य लगभग 3 माह तक किया गया जिसके अन्तर्गत मानसिक दिव्यांग, मूक बधिर, दृष्टि बाधित, अस्थि दिव्यांग, बहु दिव्यांग, मस्तिष्क पक्षाघात, लो विजन, स्वलिनता, स्लोलर्नर आदि से ग्रसित दियांगजनों की पहचान की गई।

एक दिवसीय दिव्यांगजन जागरूकता रैली :–

संस्था द्वारा एक दिवसीय दिव्यांग जागरूकता रैली का आयोजन किया जिसमें 63 दिव्यांगजन व उनके अभिभावकों ने भाग लिया, इसके अन्तर्गत दिव्यांगता से सम्बन्धित भ्रान्तियों के बारे में जागरूक किया गया व दिव्यांगों के प्रति हीनभावना ना अपनाकर सकारात्मक सोच अपनाने पर जोर दिया गया क्योंकि ये भी हमारे समाज का एक अभिन्न अंग है। संस्थान द्वारा चलचित्र व श्रव्य–दृश्य संसाधनों का प्रयोग कर ग्रामीण क्षेत्र में दिव्यांगता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का प्रयास किया गया, साथ ही संस्थान द्वारा झालावाड़ शहर में परामर्श केन्द्र के रूप में कार्य कर आस्था योजना, रियायती रेलपास, बस पास, दिव्यांग पेंशन, व उपकरण आदि के बारे में जागरूक कर संस्थान ने अपने उद्देश्यों की पूर्ति करने का प्रयास कर सफलता की और अग्रसर है।

व्यस्क दिव्यांगजनों के लिए एक दिवसीय स्वरोजगार परामर्श शिविर :–

व्यस्क रूप से दिव्यांगजनों के लिए एक दिवसीय स्वरोजगार परामर्श शिविर का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत मोमबत्ती बनाना, सजावटी दीपक बनाना, ग्रीटिंग कार्ड बनाने का परामर्श दिया गया साथ ही भारत सरकार की दिव्यांगों के लिए कार्यरत वित्तीय सहायता संस्था राष्ट्रीय विकलांग वित्तीय विकास कॉर्पोरेशन (छभ्थ्क्ब्) फरीदाबाद के बारे में महती जानकारी देकर परामर्श दिया, दिव्यांगजनों ने बड़ी दिलचस्पी के साथ स्वरोजगार हेतु जानकारियां प्राप्त की।

बाल–अभिभावक परामर्श केन्द्र :–

संस्थान द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बालकों के अभिभावकों की निःशुल्क परामर्श व गृह आधारित कार्य (भ्वउम ठेंमक च्तवहतंउउम) योजना जैसी मूलभूत सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जा रही है। उक्त कार्य के अतिरिक्त दिव्यांगों के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा आयोजित शिविरों में भाग लेना तथा दिव्यांगों को लाभ दिलवाने में तत्पर रहती है। संस्था ने अब तक 48 दिव्यांग प्रमाण पत्र, रोडवेज पास व रेल्वे पास आदि तैयार करवाने में सहयोग प्रदान किया।

फिजियोथेरेपी दिवस पर निःशुल्क शिविर :–

संस्था द्वारा विश्व फिजियोथेरेपी दिवस 8 सितम्बर पर विजयाराजे सिन्धियां खेल संकुल में निःशुल्क फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन किया गया जिसमें संस्था के माध्यम से 8 फिजियोथेरेपिस्ट ने बढ़चढ़कर निःशुल्क सेवाएं प्रदान की। जिसमें व्यक्यिों को कमर दर्द, घुटना दर्द, गर्दन दर्द, कन्धों का जाम हो जाना, टेनिस एल्बो, ऑपरेशन के बाद की एक्सरसाइज, मधुमेह, तनाव, पक्षाघात, सुन्नपन, बच्चों का समय पर विकास न होना, मुंह का टेड़ापन, वृद्धावस्था की बिमारियां तथा सर्वाइकल पेन आदि की उचित सलाह व परामर्श दिया गया तथा स्वस्थ्य रहने के उपाय बताये गये।

संस्थान को जिला प्रशासन एवं समाज के सभी तबको से सहयोग प्रदान है जिससे संस्था अपने कार्यक्रम भलीभांति प्रकार से संचालित करती रहती है।

फिजियोथैरेपी शिविर में 411 रोगी लाभांवित

26 व 27 अप्रैल को भी जारी रहेगा शिविर

झालावाड़. जिले में निशुल्क फिजियोथैरेपी शिविर मंगलवार को जिला एसआरजी चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रायपुर, सुनेल, भवानीमंडी मनोहरथाना, बकानी व खानपुर आयोजित किए गए।

पहले दिन ही 411 रोगियों का फिजियोथैरेपी के माध्यम से उपचार किया गया। शिविर में असंक्रामक बीमारियां डायबिटीज, हृदय रोग, पक्षाघात एवं तनाव से होने वाली जटिलताओं में कमी लाने के लिए परामर्श दिया गया। साथ ही गर्दन, कमर, कोहनी, घुटनों, एड़ी, मांसपेशियों, पुरानी चोट का दर्द, रीढ़ की हड्डी के छल्लों का खिसकना, जोड़ों की जकडऩ, गठिया बाय, अस्थि रोगों के ऑपरेशन के बाद के विकार, कंधे का जाम होना, मुंह का टेड़ापन, साईटिका, सुन्नपन, बच्चों का समय पर विकास न होना (सेरेब्रल पाल्सी), वृद्धावस्था की बीमारियां, चिकनगुनिया के बाद जोड़ों का दर्द से संबंधित चिकित्सा सुविधाओं का लाभ आमजन को दिया गया। सीएमएंचओ डॉ. ने बताया कि 26 व 27 अप्रैल को भी शिविर जारी रहेगा।

संस्थान द्वारा विशेष आभार :–

संस्थान ने इस प्रारम्भिक वर्ष में जो कुछ प्रगति की है उसका श्रेय उसके सहयोगियों को ाता है जो समय–समय पर संस्थान को चन्दे के रूप में धनराशि अथवा उपकरणों के रूप में तथा मार्गदर्शन कर अपना अमूल्य योगदान कर रहे है।

संस्था परिवार से जुडे उन महानुभावों के प्रति भी अपना आभार प्रकट करना संस्थान अपना कर्त्तव्य समझती है। जो कि न केवल इसकी प्रवृत्तियों को गहरे विकास में गहरी रूचि लेते है और समय–समय पर सहायता भी प्रदान करते रहते है। अपने अभिभावकों के प्रति भी संस्था बड़ी आभारी है जो न केवल सारगर्भित चर्चा करते है बल्कि अपने अमूल्य सुझावों से हमें लाभान्वित करते रहते है।